राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

# देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 320 | जौनपुर | गुरूवार, 10 जलाई 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

## संक्षिप्त खबरें

### धोखाधड़ी मामले में भगोड़ी मोनिका कपूर का हुआ प्रत्यर्पण

नई दिल्ली, (एजेंसी)। एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए दो दशक पुराने आयात–निर्यात धोखाधड़ी मामले में अमेरिका से फरार भगोड़ी मोनिका कपूर को भारत प्रत्यर्पित कर लिया है। सीबीआई ने इस बात की जानकारी अपने आधिकारिक एक्स पोस्ट में दी। मोनिका कपूर पर साल 2002 में 2.36 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का आरोप था। वह मेसर्स मोनिका ओवरसीज की प्रोपराइटर थीं और अपने भाइयों राजन खन्ना तथा राजीव खन्ना के साथ मिलकर जाली निर्यात दस्तावेजों के आधार पर शुल्क–मुक्त सोने के आयात के लिए छह प्रतिपूर्ति लाइसेंस प्राप्त किए थे। साल 1998 के दौरान, उन्होंने शिपिंग बिल, चालान और बैंक प्रमाणपत्रों का दुरुपयोग करते हुए ये लाइसेंस मेसर्स दीप एक्सपोर्ट्स, अहमदाबाद को प्रीमियम पर बेच दिए। जिसके चलते दीप एक्सपोर्ट्स ने इन लाइसेंसों का उपयोग कर शुल्क–मुक्त सोना आयात किया, जिससे सरकारी खजाने को 1.44 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। मामले की जांच पूरी होने के बाद 31 मार्च 2004 में इन लोगों पर आरोप पत्र दायर किया गया। राजन खन्ना और राजीव खन्ना को 2017 में दोषी ठहराया गया था। उस समय मोनिका कपूर जांच और मुकदमे में शामिल नहीं हुईं। उन्हें 2006 में अदालत ने भगोड़ा घोषित किया था और 2010 में उनके खिलाफ गैर–जमानती वारंट और रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया था। सीबीआई ने 2010 में अमेरिका को उनका प्रत्यर्पण करने का अनुरोध भेजा था।

### लोकतंत्र में भरोसा करने वाले लोग नहीं हैं

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राहुल गांधी के बिहार दौरे और महागठबंधन द्वारा शबिहार बंदश पर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने तंज कसा है। उन्होंने कहा कि ये लोग कामचोर लोग हैं। ये लोग कभी मेहनत नहीं कर सकते। बिहार के लोगों ने सहमति दे दी कि हम समीक्षा कराएंगे। ये लोग राजकुमार लोग हैं। गांधी परिवार का राजकुमार और लालू यादव का राजकुमार... ये लोकतंत्र में भरोसा करने वाले लोग नहीं हैं। राहुल गांधी के बयान पर पलटवार करते हुए उन्होंने आगे कहा कि वो झारखंड, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश या कर्नाटक के लिए ऐसा क्यों नहीं कह रहे? दरअसल, राहुल गांधी ने महागठबंधन की शबिहार बंदश रैली में कहा था कि जिस तरह महाराष्ट्र चुनाव में वोटों की चोरी हुई, उसी तरह की कोशिश बिहार में भी हो रही है। इसी को लेकर सम्राट चौधरी ने कहा कि राहुल गांधी को खुद इस्तीफा दे देना चाहिए। इन लोगों ने जनता के लिए कुछ नहीं किया, इसलिए जनता ने इन्हें घर भेज दिया। ये लोग घर बैठे चुनाव आयोग की नियुक्ति करते थे। हमारे देश की दुर्दशा का जिम्मेदार गांधी परिवार है। आज अगर बिहार पिछड़ा है, लोग डर के मारे पलायन कर गए हैं, तो ये सब लालू यादव की ही देन है। गांधी ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के खिलाफ पटना में निर्वाचन आयोग है।

## प्रधानमंत्री मोदी का ब्राजील में राम भजन की मधुर धुनों के साथ किया गया भव्य स्वागत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी का ब्राजील की राजधानी ब्रासीलिया में श्राम भजनच्य की मधुर धुनों के साथ भव्य स्वागत किया गया। रियो डी जेनेरियो में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने ब्राजील की राजकीय यात्रा शुरू की। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा के विशेष निमंत्रण पर पीएम मोदी ब्राजील की राजकीय यात्रा पर गए हैं। जब पीएम मोदी ब्रासीलिया के अल्वोराडा पैलेस पहुंचे तो यहां राम भजन की विशेष सांस्कृतिक प्रस्तुति के साथ उनका स्वागत हुआ। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स्च्य पर 2.48 मिनट का एक वीडियो साझा किया और लिखा, आधिकारिक वार्ता से पहले ब्रासीलिया के अल्वोराडा पैलेस पहुंचने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत श्राम भजनच्य की विशेष प्रस्तुति के साथ किया गया। वीडियो में शास्त्रीय गायिका मीता रवींद्र कुमार कराहे प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत में भक्ति गीत प्रस्तुत करती नजर आईं। इस दौरान श्राम भजनच्य की मधुर धुनों के साथ प्रधानमंत्री मोदी भी भजन का आनंद लेते दिखे। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा के साथ खड़े पीएम मोदी भजन सुनते हुए ताली बजा रहे थे। मीता रवींद्र कुमार कराहे ने कहा, मैं प्रधानमंत्री से मिली और उन्हें श्नमस्तेच्य कहकर अभिवादन किया। मैंने कहा कि मैं अगले दिन उनके लिए गाने जा रही हूं। मुझे यह निमंत्रण ब्राजील सरकार की ओर से मिला था। उन्होंने बताया कि ब्राजील के लोग व्यवहार और मेहमान नवाजी में भारतीयों जैसे हैं। उन्होंने कहा, अपनी मातृभूमि से दूर रहने के बावजूद ब्राजील दूसरा भारत जैसा लगता है। शास्त्रीय गायिका मीता ने बताया, मैंने 10–11 साल की उम्र से ही शास्त्रीय संगीत की शिक्षा लेनी शुरू कर दी थी। ब्राजील सरकार की ओर से मुझे जो निमंत्रण मिला था, उसमें लिखा था कि राष्ट्रपति लूला चाहते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी के देश से कोई व्यक्ति उनके पसंदीदा भजन की प्रस्तुति दे। प्रधानमंत्री मोदी का मंगलवार को राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा ने ब्रासीलिया स्थित अल्वोरादा पैलेस में गर्मजोशी से स्वागत किया। पीएम मोदी की यह यात्रा रियो डी जेनेरियो में हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के बाद शुरू हुई। अपनी बातचीत के दौरान इन नेताओं ने दोनों देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने पर सहमति व्यक्त की। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा को भारत और ब्राजील के बीच रणनीतिक साझेदारी का श्मुख्य वास्तुकारच्य बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ब्राजील के नेता ने हमारे संबंधों को गहरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्स्च्य पर लिखा, राष्ट्रपति लूला के साथ सार्थक बातचीत हुई, जो हमेशा भारत–ब्राजील मैत्री के प्रति भावुक रहे हैं। हमारी बातचीत में व्यापार संबंधों को गहरा करने और द्विपक्षीय व्यापार में विविधता लाने के तरीके शामिल थे। हम दोनों सहमत हैं कि आने वाले समय में इस तरह के संबंधों के पनपने की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने राष्ट्रपति लूला के साथ अपनी बैठक की तस्वीरें भी साझा कीं। एक पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा, स्वच्छ ऊर्जा, सतत विकास और जलवायु परिवर्तन पर काबू पाना भी हमारी बातचीत में चर्चा के प्रमुख विषय थे। अन्य क्षेत्र जहां हम और भी अधिक निकटता से काम करेंगे, उनमें रक्षा, सुरक्षा, एआई और कृषि शामिल हैं। स्पेस, सेमीकंडक्टर और डीपीआई में भारत–ब्राजील सहयोग से हमारे लोगों को लाभ होगा। राष्ट्रपति लूला के साथ एक संयुक्त प्रेस वार्ता में पीएम मोदी ने कहा, मैं रियो और ब्रासीलिया में गर्मजोशी से स्वागत के लिए अपने मित्र राष्ट्रपति लूला को धन्यवाद देता हूं।

## डीएम अब अपने स्तर पर भी जरूरी विकास कार्य करा सकेंगे : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के सभी 11 राजस्व जिलों में अब छोटे–मोटे विकास कार्य कराने के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। इंटीग्रेटेड डिस्ट्रिक्ट प्रोजेक्ट फंड डिस्ट्रिक्ट प्रोजेक्ट फंड के माध्यम से आसानी से ये काम कराए जा सकेंगे। मंगलवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की महत्वपूर्ण बैठक में दिल्ली सरकार ने अपने बजट की एक और महत्वपूर्ण घोषणा को पूरा करते हुए एकीकृत जिला परियोजना निधिधिजिला परियोजना निधि के गठन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसके तहत 53 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री का कहना है कि यह पहल परफॉर्म, रिफॉर्म और ट्रांसफॉर्म के स्मार्ट सुशासन मंत्र पर आधारित है। हमारी सरकार सिस्टम का विकेंद्रीकरण करना चाहती है, ताकि हर स्तर पर विकास की योजनाओं को तेजी से पूरा किया जा सके। मुख्यमंत्री के मुताबिक, यह योजना पूरी तरह से दिल्ली सरकार द्वारा वित्त पोषित होगी। सरकार ने दोनों योजनाओं के लिए अभी कुल 53 करोड़ रुपये की धनराशि आवंटित की है।

## मतदाता सूची की जांच के आदेश से राहुल और तेजस्वी की उड़ी नींद : केशव प्रसाद

लखनऊ, (एजेंसी)। बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले वोटर लिस्ट मामले में घमासान मचा हुआ है। इसी मामले को लेकर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची की जांच के संवैधानिक आदेश से राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की नींद उड़ गई है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि श्इंडी ठगबंधनच्य की बिहार बंद की घोषणा से साफ है विपक्ष की बौखलाहट चरम पर है। श्चोर की दाढ़ी में तिनकाच्य और श्चोर मचाए शोरच्य ये कहावतें आज पूरी तरह चरितार्थ हो गई हैं। बिहार चुनाव में ठगबंधन को जनता का समर्थन नहीं मिल रहा है। एनडीए की जीत और इंडी ठगबंधन की हार तय है। उन्होंने आगे लिखा कि चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची की जांच के संवैधानिक आदेश से राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की नींद उड़ गई है। संविधान विरोधी गतिविधियों के जरिए बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी का अपमान किया जा रहा है, जिसे बिहार की जनता कतई सहन नहीं करेगी। अफवाह और दुष्प्रचार से अब कुछ हासिल नहीं होगा। ज्ञात हो कि बिहार में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण को लेकर सियासी विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसको लेकर बिहार में विपक्षी दलों ने मोर्चा खोल रखा है। इसी मामले को लेकर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव भी प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सत्ताधारी दल को घेर चुके है। साथ ही अपने कार्यकर्ताओं को यहां होने वाले चुनाव में वोटर लिस्ट में कोई गड़बड़ी न हो पाए, इसके लिए सचेत भी कर चुके हैं। बिहार में मतदाता गहन पुनरीक्षण का काम शुरू हुए दो सप्ताह हो गए। इस पर हो रहे विवाद का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा गया है। विपक्ष ने कोर्ट से इस पर रोक लगाने की अपील की। इस बीच विपक्ष इस मुद्दे पर लामबंद हो रहा है।

## केजरीवाल जैसी राहुल की राजनीति

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आइडिया ऑफ कांग्रेस के साथ अपनी राजनीति शुरू की थी, जिसमें संयम और संतुलन मुख्य तत्व था। सांसद के तौर पर शुरू के पांच साल वे दूर से राजनीति और सरकार के कामकाज को देख रहे थे। पांच साल के बाद 2009 में जब वे दूसरी बार सांसद बने तो उन्होंने राजनीति में पहली बार अपने आइडिया पर अमल किया। उन्होंने कांग्रेस में दूसरी पंक्ति का नेतृत्व खड़ा करने की योजना के तहत करीब एक दर्जन ऐसे नेताओं को मनमोहन सिंह की सरकार में मंत्री बनवाया, जिनकी उम्र 35 साल के आसपास थी। उस समय खुद राहुल गांधी 39 साल के था। राहुल के उस प्रयोग की सफलता–विफलता का आकलन अलग विषय है। राहुल का दूसरा हस्तक्षेप 2013 में दिखा, जब दागी नेताओं को बचाने के लिए लाए गए अध्यादेश का उन्होंने विरोध किया। उस विरोध में उन्होंने थोड़ी

नाटकीयता जरूर दिखाई लेकिन वह शुचिता की राजनीति का एक आइडिया था, जिसका प्रतिनिधित्व राहुल गांधी कर रहे थे। उसके बाद उनकी पार्टी बुरी तरह से हार कर सत्ता से बाहर हो गई। दस साल के शासन के बाद 2014 में कांग्रेस को भले नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा ने हराया लेकिन उसकी पृष्ठभूमि तैयार की थी अरविंद केजरीवाल ने। भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारी रहे केजरीवाल राजनीति का एक नया मॉडल लेकर आए थे। संयम और संतुलन की जगह अतिरंजना उस राजनीति का मूल चरित्र थी। उन्होंने सब कुछ बेहद अतिरंजना के साथ या अतिश्योक्ति के साथ किया। केजरीवाल ने सभी पारंपरिक राजनेताओं को भ्रष्ट, बेईमान और निकम्मा घोषित कर दिया। हर संस्था के ऊपर संदेह पैदा कर दिया। विचारधारा की राजनीति का बंडल बना कर उसको कचरे के डब्बे में डाल दिया और राजस्व के स्रोत की जानकारी दिए गए बगैर सब कुछ मुफ्त बांटने का ऐलान कर दिया। समूचा देश चमत्कृत रह गया। भारत के नेताओं का संस्कार चाहे जितना भी बिगड़ा था लेकिन सब एक आदर्श और विचारधारा की बात जरूर करते थे। लेकिन केजरीवाल ने कहा कि विचारधारा कुछ नहीं होती है। सरकार विचारधारा से नहीं चलती है, बल्कि गवर्नेंस अपने आप में एक विचारधारा है।

## अखिलेश यादव ने योगी सरकार के पौधारोपण अभियान पर सवाल उठाया

लखनऊ, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर एक बार फिर बीजेपी और योगी सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने योगी सरकार के पौधारोपण अभियान को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर एक हजार एकड़ में 1.30 लाख पेड़ लग सकते हैं, तो फिर 200 करोड़ पेड़ लगाने के लिए जमीन कहां चिन्हित की गई है? अखिलेश यादव ने दावा किया कि राजभवन के पास जो क्रोसिया के पेड़ लगे हैं, वो समाजवादी सरकार के समय लगाए गए थे। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि इनकी पेड़ लगाने की योजना बस एक इवेंट होती है। जो पेड़ आगरा–लखनऊ एक्सप्रेसवे पर लगाए गए, उसी की नकल कर रहे हैं। कोई नई चीज नहीं की जा रही है। साथ ही उन्होंने कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल नंदी के लेटर बम पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। लखनऊ स्थित सपा दफ्तार में प्रेसवार्ता के दौरान अखिलेश यादव ने धावक राजा यादव श्टार्जनश का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने प्रदेश के प्रतिष्ठित लोगों का यश भारती सम्मान छीन लिया है। हालांकि जब समाजवादी पार्टी की सरकार आएगी तो फिर से उन्हें सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही सपा मुखिया ने वरिष्ठ नेता राम गोविंद चौधरी को जन्मदिन की शुभकामनाएं भी दीं। गुजरात के पुल हादसे पर प्रतिक्रिया देते हुए अखिलेश यादव ने कटाक्ष किया है। सपा मुखिया ने कहा कि यही गुजरात मॉडल है। जितनी जल्दी समझ लोगे, उतना अच्छा है। साथ ही उन्होंने गोरखपुर लिंक रोड और लखनऊ ग्रीन कॉरिडोर जैसे प्रोजेक्ट्स पर

भारी खर्च पर सवाल उठाते हुए कहा, 7–7 हजार करोड़ की एक सड़क यहां बनती है, 4 हजार करोड़ का प्रोजेक्ट पूर्वांचल से आगरा को जोड़ता है।

## पीएम मोदी को ब्राजील का सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिए जाने पर गडकरी ने दी बधाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ब्राजील के सर्वोच्च नागरिक सम्मान श्ग्रैंड कॉलर ऑफ द नेशनल ऑर्डर ऑफ द सदर्न क्रॉसश से सम्मानित किए जाने पर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री

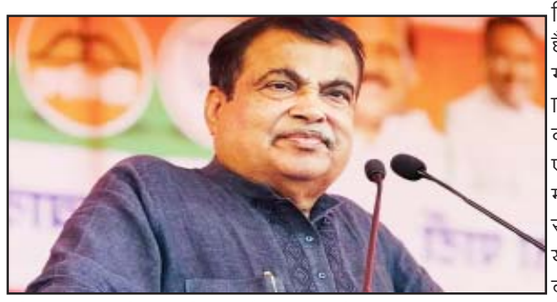

नितिन गडकरी ने उन्हें हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने इस सम्मान को भारत के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताते हुए कहा कि यह प्रधानमंत्री मोदी के वैश्विक नेतृत्व की दूरदर्शिता का प्रतीक है। गडकरी ने अपने आधिकारिक एक्स पोस्ट में लिखा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ब्राजील के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किए जाने पर हार्दिक बधाई। यह प्रतिष्ठित सम्मान न केवल उनके दूरदर्शी वैश्विक नेतृत्व को मान्यता देता है, बल्कि हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण भी है। यह सम्मान भारत और भारतवासियों के प्रति ब्राजील के गहरे सम्मान को दर्शाता है।" उन्होंने आगे लिखा कि यह उपलब्धि दोनों देशों के बीच मजबूत होती मित्रता को और अधिक गहरा करेगी और भविष्य में परस्पर सहयोग के नए मार्ग प्रशस्त करेगी। बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डि सिल्वा के आमंत्रण पर वहां की यात्रा पर हैं और इसी दौरान उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया। ग्रैंड कॉलर ऑफ द नेशनल ऑर्डर ऑफ द सदर्न क्रॉस ब्राजील का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है।

## सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार की राहुल गांधी से मुलाकात

कर्नाटक, (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की पार्टी आलाकमान के साथ प्रस्तावित बैठक ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है। सूत्रों के अनुसार, दोनों नेता बुधवार शाम कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात कर सकते हैं। हालांकि सिद्धारमैया और शिवकुमार ने कहा है कि उनका दिल्ली दौरा उनके आधिकारिक काम से संबंधित है, लेकिन राज्य में नेतृत्व परिवर्तन और पार्टी में असंतोष के संकेत देने वाले मंत्रियों और विधायकों के मद्देनजर शीर्ष नेताओं के साथ उनकी यह मुलाकात महत्वपूर्ण है। डीके शिवकुमार, जिन्होंने हाल ही में कहा था कि उनके पास मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को समर्थन देने के अलावा कोई विकल्प नहीं है, ने मंगलवार को कहा कि मुख्यमंत्री का पद खाली नहीं है। शिवकुमार

नई दिल्ली में पत्रकारों से बात कर रहे थे। यह पूछे जाने पर कि क्या कुछ विधायकों ने मुख्यमंत्री पद के लिए उनका नाम प्रस्तावित किया है, उन्होंने कहा कि अभी मुख्यमंत्री का पद खाली नहीं है। इसलिए, इस पर चर्चा करने का यह सही समय नहीं है। इस बीच, आलाकमान के आदेश के बावजूद, राज्य कांग्रेस के नेता नेतृत्व के मुद्दे पर बयानबाजी जारी रखे हुए हैं। कांग्रेस विधायक सीपी योगेश्वर ने मंगलवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि वह उप–मुख्यमंत्री शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनते देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के सभी विधायक मुख्यमंत्री पद के लिए शिवकुमार का समर्थन कर रहे हैं और इस संबंध में कोई मतभेद नहीं है। योगेश्वर ने कहा, ष्क्षेत्र के लोग भी यही चाहते हैं।ष योगेश्वर ने आगे कहा, ष्हम विधायक इसकी माँग कर रहे हैं। आलाकमान को ही फैसला लेना होगा। मुझे मंत्री पद नहीं चाहिएय मैं सिर्फ यही चाहता हूँ कि शिवकुमार मुख्यमंत्री बनें।ष शिवकुमार ने आज सुबह बेंगलुरु से दिल्ली के लिए रवाना होते समय कोई भी टिप्पणी करने से परहेज किया।मु ख्यमंत्री सिद्धारमैया बुधवार सुबह दिल्ली के लिए रवाना होंगे और इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात करेंगे। सूत्रों ने पुष्टि की है।

# संपादकीय

## हिमालयी परिवेश की रक्षा

हाल के दिनों में हिमालयी राज्यों खासकर हिमाचल व उत्तराखंड में अतिवृष्टि और बादल फटने की घटनाओं में जिस तेजी से पुनरावृत्ति हुई है, उसे मौसम के चरम के रूप में देखे जाने की जरूरत है। हालांकि, तात्कालिक जरूरत आपदा प्रभावित जिलों में राहत, बचाव व पुनर्वास के प्रयासों में तेजी लाने की है, लेकिन सबसे बड़ी जरूरत मौसम के चरम के बीच अचानक आती बाढ़ और बार–बार बादल फटने के कारणों को भी समझने की है। हाल ही में, इन्हीं मुद्दों की तरफ हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भी ध्यान खींचा है। निस्संदेह, इन कारणों की पड़ताल के लिए विषय विशेषज्ञों की सहायता लेना भी जरूरी है। पिछले दिनों हिमाचल में आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक में मुख्यमंत्री ने उन उपायों की सूची पर चर्चा की, जिन्हें तत्काल लागू करने की आवश्यकता है। इन उपायों में नदियों में अवैज्ञानिक तरीके से मलबा फेंकने की जांच, नियमित मौसम अपडेट देना और नदी–नालों से कम से कम सौ मीटर की दूरी पर घरों का निर्माण करना शामिल है। लेकिन इसके प्रभावी लक्ष्य तभी हासिल किए जा सकते हैं जब इस बाबत किसी ठोस योजना को अमलीजामा पहनाया जाए और साथ ही नीतियों के क्रियान्वयन की समय सीमा निश्चित की जाए। निश्चित रूप से मौजूदा संकट को देखते हुए युद्धस्तर पर काम करने की जरूरत है। वह समय चला गया जब सरसरे आदेश दिये जाते और सिफारिशें की जाती थीं। कानूनों और नियमों की अनदेखी के खिलाफ सभी एजेंसियों को तालमेल बैठाकर इस दिशा में अभियान चलाने की जरूरत है। वनों की अवैध कटाई, अनियोजित निर्माण और अवैज्ञानिक विकास प्रथाओं पर लगाम लगाना बेहद जरूरी है। इसके लिये सरकारी मशीनरी को मिशन मोड में काम करने की जरूरत होगी। जिसके लिये मजबूत राजनीतिक इच्छा शक्ति की जरूरत है। भले ही राज्य की सत्ता में दो दलों का वर्चस्व हो और उनकी विचारधाराओं में टकराव रहा हो, लेकिन इस मुद्दे पर एकजुट होकर संकट का मुकाबला करने की जरूरत है। निश्चय ही हाल के वर्षों में पहाड़ विरोधी विकास ने हिमालयी राज्यों की अस्मिता को आहत किया है। हिमालयी राज्यों में लोग पहाड़ों के मूल चरित्र में हस्तक्षेप करने वाले विकास की विसंगतियों की कीमत चुके रहे हैं। अब चाहे बड़े बांध हों या फोर लेन सड़के हों। निस्संदेह, विकास हर राज्य की प्राथमिकता है, लेकिन विकास योजनाओं को पहाड़ों की जरूरत के मुताबिक बनाया जाना चाहिए। इन राज्यों में स्थितियां विकट हैं और हालात और खराब होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। भूस्खलन की लगातार बढ़ती घटनाएं और दरकती सड़कें इसकी बानगी मात्र हैं। कुल मिलाकर पहाड़ों के अस्तित्व पर संकट बढ़ा है। निस्संदेह, मौजूदा रणनीति और नीतियां इस संकट से निबटने में सक्षम नहीं हैं। सत्ता में बैठे लोगों के लिये जरूरी है कि वे मौसम विशेषज्ञों, पर्यावरणविदों और क्षेत्र के अनुभवी लोगों से राय लें। साथ ही तकनीकी समाधानों को वरीयता दी जाए। इसमें दो राय नहीं कि मानव जनित समस्याओं के निदान के लिये मानवीय दृष्टि से संवेदनशील समाधान तलाशने की जरूरत है। निश्चित रूप से इसमें समुदाय के तौर पर एकजुटता के अलावा अन्य कोई विकल्प नहीं रह जाता।

## किसानों को विवशता की हद से मुक्त कराएं

विश्वनाथ

हाल ही में सोशल मीडिया पर एक छोटा–सा वीडियो वायरल हुआ था। आपने भी देखा होगा एक बूढ़ा किसान बैल बनकर अपने खेत को जोत रहा है। उसे कितनी ताकत लगानी पड़ रही है इस काम में, इसका अहसास उसके चेहरे को देखकर अनायास ही हो जाता है। उसके पीछे से टेका देने का काम उसकी बूढ़ी पत्नी कर रही है। यह चित्र लगभग 70 वर्षीय किसान अम्बादास पवार और उसकी पत्नी

का है। चार बीघा जमीन है दोनों के पास। पर हल चलाने के लिए बैल खरीदना उसके बस की बात नहीं है। इसलिए वह खुद बैल बन गया है! ज्ञातव्य है कि यह दृश्य उस महाराष्ट्र का है जिसकी गणना देश के विकसित राज्यों में होती है। ज्ञातव्य यह भी है कि देश में किसानों द्वारा की जाने वाली आत्महत्याओं में महाराष्ट्र के किसानों की संख्या सर्वाधिक है– पिछले तीन महीनों में अर्थात् अप्रैल, मई, जून, 2025 में महाराष्ट्र में 767 किसानों को आत्महत्या के लिए मजबूर होना पड़ा है! पिछले दस सालों में यह आंकड़ा औसतन प्रतिदिन दस आत्महत्याओं का पड़ता है। पचपन साल पहले देश में हरित क्रांति हुई थी। यह एक सच्चाई है। कृषि क्षेत्र में हमारे कृषि वैज्ञानिकों और हमारे किसानों ने 1970 में इस सच्चाई को साकार किया था। लेकिन यह सच्चाई जितनी मीठी है, उतनी ही कड़वी यह सच्चाई भी है कि हरित क्रांति के बावजूद हमारे किसानों की हताशा के फलस्वरूप देश में होने वाली आत्महत्याओं की संख्या लगातार डरावनी बनी हुई है। किसानों द्वारा की जाने वाली आत्महत्याओं का यह शर्मनाक सिलसिला हरित क्रांति के चार–पांच साल बाद ही शुरू हो गया था! इसका कारण खोजने की आवश्यकता नहीं है, यह एक खुला रहस्य है कि कृषि क्षेत्र में विकास के सारे दावों के बावजूद अधिसंख्य किसान अभावों की जिंदगी ही जी रहे हैं। इस दौरान बड़े–बड़े दावे हुए हैं किसानों के विकास के। करोड़ों–करोड़ों रुपया कथित 'खुशहाल किसानों' की तस्वीर दिखाते विज्ञापनों पर खर्च हो रहा हैय हर किसान का बैंक खाता होने का ढिंढोरा पीटा जा रहा है। यह नहीं भुलाया जाना चाहिए कि विज्ञापनों की सच्चाई और स्थिति की भयावहता कुछ और ही वर्णन कर रही है। यदि हमारा अन्नदाता सचमुच समृद्ध होता जा रहा है तो फिर देश की अस्सी करोड़ आबादी मुफ्त अनाज लेने के लिए विवश क्यों है? इस मुफ्त अनाज को भले ही कुछ भी नाम दिया जाये, पर हकीकत यही है कि सरकार के सारे दावों और वादों के बावजूद देश का औसत किसान आज भी ऋण में पैदा होता है, ऋण में जीता है और ऋण में ही मरने के लिए शापित है। यह शाप कब दूर होगा? किसानों की दुर्दशा के जो कारण बताये जाते हैं, उनमें सबसे पहला स्थान ऋण का ही है। साहूकारों से, बैंकों से और अन्य सरकारी एजेंसियों से हमारा किसान ऋण लेता है। और यह ऋण समाप्त होने का नाम ही नहीं लेता! जिन्हें ऋण मिल जाता है, उनकी जिंदगी उसे चुकाने में ही कट जाती है। यहीं इस बात को भी रेखांकित किया जाना जरूरी है कि भारत का किसान उन उद्योगपतियों की तुलना में कहीं अधिक ईमानदार है जो बैंकों से अरबों का ऋण लेते हैं और या तो स्वयं को दिवालिया घोषित कर देते हैं या फिर विदेश में कहीं ऐसी जगह पर बस जाते हैं जहां से उन्हें भारत प्रत्यर्पित करना आसान नहीं होता। अरबों–खरबों के इन देनदारों को इस बात से भी कोई अंतर नहीं पड़ता कि दुनिया उन्हें बेईमान कह रही है। उनकी तुलना में हमारा किसान कहीं अधिक शर्मदार है। ऋण न चुका पाने की स्थिति में वह शर्म से गड़ जाता है। आंख नहीं उठती उसकी। राजेश रेड्डी का एक 'शे'र' है, शाम को जिस वक्त खाली हाथ घर जाता हूं मैं मुस्कुरा देते हैं बच्चे और मर जाता हूं मैं'। यह 'मैं' भारत का वह किसान भी हो सकता है जो शाम को खाली हाथ घर जाने के लिए विवश है। वह मजदूर भी हो सकता है जो बच्चों की मुस्कुराहट को ही भूल जाता है। निराशा उसके दिमाग में पलने लगती है और हताशा हर शाम उसके चेहरे पर दिखाई देने लगती है। और फिर३ किसी एक दिन यह हताशा और निराशा, आत्महत्या बनकर दुनिया के सामने आ जाती है। इसमें थोड़ा–सा हिस्सा उस शर्म का भी होता है जो ऋण न चुका पाने की किसान की पीड़ा से उपजती है। आत्महत्या किसी समस्या का समाधान नहीं है। किसी सवाल का जवाब भी नहीं है। मदद के लिए किसी हताश व्यक्ति का अंतिम चीत्कार ही कहा जा सकता है इसे। लेकिन यह कतई जरूरी नहीं है कि स्थितियां इस मोड़ तक पहुंचने दी जाएं। स्थितियों को बदलने का एक रास्ता लातूर के किसान अम्बादास और उनकी पत्नी ने दिखाया है। यह सही है कि बैल बनकर खेत जोतना समस्या का समाधान नहीं है। इसे विवशता की पराकाष्ठा के रूप में ही स्वीकारा जा सकता है। नहीं आनी चाहिए ऐसी नौबत कि किसी बूढ़े अम्बादास को अपना खेत जोतने के लिए बैल बनना पड़े। लेकिन इसे मनुष्य की कुछ भी कर सकने की क्षमता के रूप में भी देखा जा सकता है। कोई अम्बादास यह भूमिका निभाने के लिए विवश हो यह स्वयं उसके लिए नहीं, उस समाज और व्यवस्था के लिए भी शर्म की बात है जिसमें अम्बादास जी रहा है। अम्बादास की विवशता के लिए उस व्यवस्था को जवाब देना होगा जिसमें वह जी रहा है। बैल बने किसान की मदद के लिए कोई सोनू निगम आगे आया है, यह बात कुछ दिलासा देने वाली है। सोनू निगम ने अम्बादास के बैंक खाते का नंबर मांगा है, ताकि बैल खरीदने की राशि भेजी जा सके। यह किसी एक अम्बादास की समस्या का आंशिक हल हो सकता है, पर सवाल लाखों अम्बादासों का है। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2022 में भारत में कृषि–क्षेत्र से जुड़े लगभग ग्यारह हजार किसानों और कृषि मजदूरों ने आत्महत्या की थी। सनद् 2014 में यह संख्या 5650 आंकी गयी थी। इन आत्महत्याओं के लिए मानसून की असफलता, कीमतों में वृद्धि, ऋण का बोझ आदि को उत्तरदायी बताया जा रहा है। राजधानी दिल्ली के दरवाजे पर हजारों किसानों का साल भर तक प्रदर्शन करते रहना सारी दुनिया ने देखा था। तब कृषि–कानूनों को वापस लेकर एक तरह से किसानों की मांगों को उचित ही ठहराया गया था। वे मांगें अभी भी पूरी नहीं हुईं। इस बीच देश के अलग–अलग हिस्सों में किसान अपनी मांगें मंगवाने के लिए प्रदर्शन करते रहे हैं।

## समग्र प्रयासों में निहित जल संकट का समाधान

दीपक

डे जीरोकृएक ऐसा शब्द है जो अब केवल एक संभावित आपदा नहीं, बल्कि 21वीं सदी के सबसे गंभीर मानवीय संकटों में से एक का प्रतीक बन चुका है। यह शब्द पहली बार 2018 में वैश्विक स्तर पर चर्चा में तब आया जब दक्षिण अफ्रीका का कैपटाउन शहर पानी की आपूर्ति पूरी तरह समाप्त होने के कगार पर पहुंच गया था। 'डे जीरो' वह दिन होता है जब शहर के सभी नल बंद कर दिए जाते हैं, और नागरिकों को सार्वजनिक वितरण केंद्रों पर लंबी कतारों में खड़े होकर सीमित मात्रा में पानी प्राप्त करना पड़ता है। कैपटाउन में यह सीमा प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 25 लीटर निर्धारित की गई थी। हालांकि इस संकट का कारण केवल जलवायु परिवर्तन या वर्षा की अनिश्चितता नहीं थाकृयह दशकों की नीति विफलता, शहरों का अति–विस्तार, परंपरागत जल स्रोतों की उपेक्षा और जल प्रबंधन में बड़ी खामियों का संयुक्त परिणाम था। कैपटाउन ने कड़ी नीतियों और नागरिक सहभागिता से इस आपदा को कुछ समय के लिए टाल दिया है। लेकिन पानी की गंभीर किल्लत की आहट अब भारत के दरवाजे तक होने लगी है। भारत जैसे देशों में, जहां जनसंख्या अत्यधिक है, शहरीकरण अनियंत्रित है, और भूजल दोहन पर कोई स्पष्ट नियंत्रण नहींकृडे जीरो अब भविष्य की आशंका नहीं, बल्कि एक आसन्न यथार्थ है। बेंगलुरु, जिसे कभी 'झीलों का शहर' कहा जाता था, आज जल संकट के सबसे भीषण दौर से गुजर रहा है। यहां की अधिकांश झीलें अब या तो कचरा डंपिंग साइट बन चुकी हैं या अवैध निर्माण की भेंट चढ़ गईं। भूजल स्तर हर वर्ष 10–12 मीटर की दर से नीचे जा रहा है। बेंगलुरु में डे जीरो की आंशिक झलक तब देखने को मिली जब पूरे शहर में टैंकर के पानी पर निर्भरता बढ़ी। चेन्नई भी 2019 में डे जीरो जैसे संकट का सामना कर चुका है जब उसके चारों जलाशय सूख गए थे। वहीं दिल्ली की स्थिति भी बेहतर नहींकृशहर की मुख्य जलधारा यमुना प्रदूषण और अतिक्रमण की शिकार है, जबकि भूजल स्तर अत्यधिक गंभीर श्रेणी में जा चुका है। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार 2030 तक भारत के 21 बड़े शहरों में जलापूर्ति पूरी तरह समाप्त हो सकती है। पानी के मामले में हरियाणा की स्थिति भी चिंताजनक है। धान,गन्ने जैसी अत्यधिक जल–खपत वाली फसलों का विस्तार, सिंचाई तकनीकों का अल्प उपयोग और नगण्य वर्षा जल संचयन ने भूजल अंधाधुंध तरीके से समाप्त कर दिया। केंद्रीय भूजल बोर्ड के अनुसार हरियाणा के 85 प्रतिशत से अधिक क्षेत्रों में भूजल स्तर खतरनाक स्तर पार कर चुका है। भारत में जल संकट के लिए जिम्मेदार केवल वर्षा की अनियमितता नहीं है, बल्कि जल निकायों पर अतिक्रमण, नीति असंगति, शहरी अपशिष्ट का जल स्रोतों में मिलना और लोगों में जल बचत के प्रति उदासीनता जैसे कारक भी उतने ही उत्तरदायी हैं। जल संकट से निपटने के लिए कई योजनाएं तो बनाई गईं, लेकिन उनका क्रियान्वयन कागजी आंकड़ों तक ही सीमित रह गया। मसलन, जल जीवन मिशन को सिर्फ 'हर घर नल' तक सीमित समझा गया, जबकि उसका मूल उद्देश्य स्थानीय जल स्रोतों का सशक्तीकरण और सामुदायिक सहभागिता के जरिए जल आत्मनिर्भरता था। इस स्थिति से निपटने के लिए बहुआयामी रणनीति अपनानी होगी। जल को केवल सरकारी जिम्मेदारी न मानकर नागरिक सहभागिता पर बल देना होगा। जल संरक्षण को जीवनशैली में लाना होगा दृ जैसे कैपटाउन में लोगों ने बर्तनों में नहाने का पानी जमा कर पौधों को सींचा, हाथ धोते समय नल बंद करना सीखा और शौचालयों में रिसाइकल पानी का प्रयोग शुरू किया।

# ..... विविध .....

## खून देते ही क्यों आने लगते हैं चक्कर

रक्तदान एक बहुत ही पुण्य और महत्वपूर्ण कार्य है, जिससे कई लोगों की जान बचती है। लेकिन अक्सर रक्तदान के दौरान या उसके तुरंत बाद कुछ लोगों को चक्कर आने, हल्का महसूस होने या कभी–कभी बेहोशी तक आ सकती है। यह आम समस्या है और ज्यादा चिंता की बात नहीं होती। आइए जानें कि ऐसा क्यों होता है और इसे कैसे रोका जा सकता है।

खून देने के बाद चक्कर आने की मुख्य वजहें

ब्लड प्रेशर में अचानक गिरावट

जब आपका शरीर लगभग आधा लीटर खून देता है, तो शरीर में खून की कुल मात्रा कम हो जाती है। इससे रक्तचाप गिर सकता है। अगर दिमाग तक पर्याप्त खून और ऑक्सीजन नहीं पहुंचता, तो चक्कर आना या हल्का महसूस होना स्वाभाविक है।

घबराहट या तनाव (वेसो–वैगल रिएक्शन)

कुछ लोग सुई या खून देखकर डर जाते हैं। इससे शरीर की एक नस (वेसो–वैगल) सक्रिय हो जाती है, जो दिल की धड़कन को धीमा कर देती है और ब्लड प्रेशर गिरा देती है। परिणामस्वरूप चक्कर आ सकते हैं या बेहोशी हो सकती है।

शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन)

अगर रक्तदान से पहले आपने पर्याप्त पानी नहीं पिया है, तो आपके शरीर में पानी कम होगा। खून का एक बड़ा हिस्सा पानी होता है, इसलिए पानी की कमी से ब्लड प्रेशर और गिर सकता है और चक्कर आने लगते हैं।

ये भी पढ़ेंरू इन ठसववक ळतवनच वालों को सबसे ज्यादा होता है हार्ट अटैक का खतरा, रिसर्च में हुआ बड़ा खुलासा

जल्दी उठना या ज्यादा हिलना–डुलना

रक्तदान के तुरंत बाद अगर आप तेजी से खड़े हो जाते हैं या ज्यादा हिलते–डुलते हैं, तो ब्लड प्रेशर में अचानक बदलाव हो सकता है। शरीर को नई खून की मात्रा के अनुसार खुद को एडजस्ट करने में थोड़ा समय लगता है।

चक्कर आने से बचने के आसान उपाय

रक्तदान से पहले खूब पानी पिएंरू रक्तदान से कम से कम 24 घंटे पहले और खासकर दिन में पर्याप्त मात्रा में पानी या जूस पिएं, ताकि आपका शरीर हाइड्रेटेड रहे।

संतुलित और पौष्टिक भोजन करेंरू रक्तदान के दिन खाली पेट न जाएं। आयरन से भरपूर हरी सब्जियां, दालें, और सूखे मेवे खाएं ताकि आपकी ऊर्जा बनी रहे।

शांत रहें और घबराएं नहींरू अगर सुई या खून देखकर डर लगता है, तो आंखें बंद करके गहरी सांस लें और खुद को शांत रखने की कोशिश करें। रक्तदान केंद्र का स्टाफ आपकी मदद भी कर सकता है। रक्तदान के बाद आराम करेंरू खून देने के बाद कम से कम 10–15 मिनट तक बैठें या लेटें। तुरंत उठने की कोशिश न करें। हल्का नाश्ता जरूर लेंरू रक्तदान के बाद आपको आमतौर पर जूस और बिस्कुट दिए जाते हैं। इसे जरूर लें ताकि आपका ब्लड शुगर और पानी का स्तर ठीक रहे। धीरे–धीरे उठेंरू जब उठने को कहा जाए, तो धीरे–धीरे उठें और पहले कुछ समय के लिए खड़े ही रहें, फिर चलना शुरू करें। इससे चक्कर आने का खतरा कम हो जाता है। रक्तदान एक नेक काम है, लेकिन इससे पहले और बाद में कुछ सावधानियां बरतनी जरूरी होती हैं ताकि चक्कर या अन्य दिक्कतें न हों। पर्याप्त पानी पीना, सही खाना खाना, आराम करना और मानसिक रूप से तैयार रहना आपके लिए मददगार रहेगा। यदि फिर भी कोई असुविधा हो तो तुरंत डॉक्टर या रक्तदान केंद्र के स्टाफ को सूचित करें। अगर आप भी रक्तदान करने जा रहे हैं, तो ये बातें जरूर याद रखें और स्वस्थ रहें!

## बच्चे को डेंगू के हैं लक्षण 3 गलतियां बिलकुल ना करें

डेंगू बुखार एक वायरल संक्रमण है जो मच्छरों (विशेष रूप से एडीज एजिप्टी मच्छर) के काटने से होता है। यह मच्छर दिन में काटता है, खासकर सुबह और शाम के समय। बच्चों को डेंगू से बचाना बेहद जरूरी है, क्योंकि उनका इम्यून सिस्टम बड़ों के मुकाबले कमजोर होता है और डेंगू उन्हें जल्दी और गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है। डेंगू एक वायरल संक्रमण है जो एडीज एजिप्टी मच्छर के काटने से फैलता है।

बच्चों में डेंगू के लक्षण

बच्चे को डेंगू के लक्षण होंगे तो कुछ खास लक्षण बच्चे के शरीर में दिखने लगेंगे जैसेः

तेज बुखार (100°F से ऊपर)

तेज सिरदर्द या आंखों के पीछे दर्द

जोड़ों और मांसपेशियों में दर्द

त्वचा पर चकत्ते

कमजोरी और थकावट

भूख ना लगना।

यदि आपके बच्चे में ये लक्षण दिखें तो तुरंत डॉक्टर से मिलें।

डेंगू में डिहाइड्रेशन का संकेत

डेंगू में बुखार, उल्टी और कम पानी पीने से शरीर में पानी की कमी हो सकती है। अगर ऐसा होगा तो डिहाइड्रेशन से जुड़े ये लक्षण दिखेंगे।

मुंह सूखना और बार–बार प्यास लगना

पेशाब कम आना या बहुत पीला पेशाब

त्वचा रूखी और कम लचीली होना

बहुत ज्यादा थकान

खड़े होने पर चक्कर आना

आंखें धंसी हुई लगना (खासकर बच्चों में)

चिड़चिड़ापन या भ्रम की स्थिति

बिना आंसू के रोना

तेज धड़कन या तेज सांसें

पेरेंट्स बिलकुल ना करें ये गलतियां

डेंगू के बुखार में ब्रूफेन या एस्पिरिन न दें, इससे रक्तस्राव बढ़ सकता है। डॉक्टरी सलाह से ही दवाई लें।

सिर्फ वायरल समझकर लापरवाही न बरतें।

बिना डॉक्टर की सलाह के कोई भी घरेलू काढ़ा या दवा बार–बार न दें।

ऐसी स्थिति में क्या करें?

बच्चे को पूरा आराम दें।

नियमित अंतराल में पानी, नारियल पानी, दै पिलाएं।

बुखार के लिए पैरासिटामोल दें

खून बहने, उल्टी या सांस लेने में दिक्कत जैसे संकेतों पर ध्यान दें।

डेंगू होने पर बच्चे को क्या खिलाएं?

हल्का और आसानी से पचने वाला खाना दें जैसे फलों का ताजा रस,सूप, खिचड़ी, दलिया, उबली हर सब्जियां खाने को दें।

बच्चे को तेज मसालेदार और ऑयली फूड ना दें ये पेट खराब कर सकती है।

डेंगू से बचाव के उपाय

मच्छर भगाने वाली क्रीम और मच्छरदानी का प्रयोग करें

घर के आसपास पानी जमा न होने दें। कूलर, घर के बाहर गमलों आदि में।

बच्चों को फुल स्लीव्स कपड़े पहनाएं।

1. मच्छर से बचाव ही सबसे बड़ा बचाव है

बच्चों के शरीर को ढककर रखें– आधी बाजू और निक्कर की जगह फुल स्लीव्स कपड़े और पायजामा पहनाएं। सोते समय भी हल्के और ढंके हुए कपड़े पहनाएं।

मच्छरदानी का इस्तेमाल करें– दिन हो या रात, बच्चों के सोते समय मच्छरदानी जरूर लगाएं।

मच्छर भगाने वाले उपाय करें– घर में नीम का धुआं, कपूर, लेमनग्रास ऑयल, या मच्छर भगाने वाली क्रीम (बच्चों के लिए सुरक्षित) लगाएं।

2. पानी जमा न होने दें

घर के अंदर–बाहर पानी न जमा होने दें– कूलर, गमले, बर्तन, टंकी, छत, एसी ट्रे दृ इनमें पानी जमा ना हो। हर हफ्ते इनकी सफाई करें और सुखाएं।

साफ पानी भी खतरनाक होता है– डेंगू का मच्छर साफ पानी में ही अंडे देता है, इसलिए साफ–सफाई बहुत जरूरी है।

3. मच्छर से बचाने वाले घरेलू उपाय

नीम और तुलसी का पत्ता घर में जलाने से मच्छर भागते हैं।

नीलगिरी और लेमनग्रास ऑयल को बच्चों के कपड़ों पर थोड़ा–सा लगाएं।

लहसुन या पुदीना का रस भी मच्छर भगाने में मददगार होता है।

4. बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाएं

खाने में दें– गिलोय का रस (डॉक्टर की सलाह से), पपीते के पत्तों का काढ़ा, तुलसी, शहद और अदरक का मिश्रण।

विटामिन C से भरपूर चीजेंरू आंवला, नींबू, संतरा–मौसमी दें।

# निजीकरण के विरोध में बिजलीकर्मियों की हड़ताल पूरे देश से 27 लाख कर्मचारी होंगे शामिल

लखनऊ,, (संवाददाता)। नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ इलेक्ट्रिसिटी इंप्लाइज एंड इंजीनियर्स के आह्वान पर नौ जुलाई को देश भर में करीब 27 लाख बिजली कर्मचारी एक दिन की सांकेतिक हड़ताल करेंगे। राष्ट्रव्यापी हड़ताल में प्रदेश के एक लाख से अधिक बिजली कर्मचारी, संविदा कर्मी, जूनियर इंजीनियर और अभियंता पूरे दिन कार्यस्थलों के बाहर प्रदर्शन करेंगे। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के केंद्रीय पदाधिकारियों के मुताबिक निजीकरण के विरोध में हो रही इस हड़ताल को उपभोक्ताओं व किसानों का भी समर्थन है, इसलिए बिजली सेवाएं बाधित नहीं की जाएंगी। हड़ताल के दौरान उपभोक्ताओं को कोई दिक्कत न हो इसके लिए एक टीम सभी जिलों में बनाई गई है। हड़ताल में बिजली के साथ रेल, बैंक, बीमा, बीएसएनएल, पोस्टल, केंद्र सरकार के सार्वजनिक उपक्रम, केंद्र और राज्य सरकार के कर्मचारी, निजी कल कारखानों के कर्मचारी भी शामिल होंगे। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ इलेक्ट्रिसिटी इंप्लाइज एंड इंजीनियर्स के नोटिस में केंद्र सरकार से मांग की गई है कि वह हस्तक्षेप कर राज्य सरकार को निर्देश दे कि पूर्वांचल व दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगमों के निजीकरण का फैसला वापस ले। वहीं, हड़ताल में संयुक्त किसान मोर्चा भी शामिल होगा। मोर्चा ने 4 श्रम संहिताओं को निरस्त करने, सार्वजनिक उपक्रमों व सार्वजनिक सेवाओं का निजीकरण रोकने, रोजगार में ठेका प्रथा और अनियमितता समाप्त करना तथा न्यूनतम वेतन 26 हजार रुपये प्रतिमाह करने की मांग की।

सेवाएं प्रभावित तो होगी बर्खास्तगी

बिजली कर्मचारियों की ओर से 9 जुलाई को सांकेतिक हड़ताल के ऐलान के बाद पावर कॉरपोरेशन अध्यक्ष डॉ. आशीष गोयल ने भी सख्त रुख अपनाया है। अध्यक्ष ने कहा है कि कोई भी विद्युत आपूर्ति को प्रभावित करेगा तो बर्खास्त किया जाएगा। जिस मुख्य अभियंता के क्षेत्र में आन्दोलन के कारण आपूर्ति प्रभावित होगी तो उस पर भी सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण ढ़ंग से विरोध प्रदर्शन से किसी को आपत्ति नहीं है लेकिन विद्युत जैसी आवश्यक व्यवस्था को प्रभावित करने वालों पर सख्त कार्यवाई होगी। यदि कोई जान बूझकर ब्रेकडाउन करेगा तो बर्खास्त किया जायेगा। जो धरना आदि करेगा, काम नही करेगा तो नो वर्क नो पे लागू होगा। कर्मचारी आन्दोलन को देखते हुए सभी जगह कंट्रोल रूम बनाए गए हैं। वैकल्पिक व्यवस्था बन गयी है। जिला प्रशासन से सम्पर्क किया गया है। सभी को एडवाइजरी जारी की गयी है। अध्यक्ष ने सभी मुख्य अभियन्ताओं को पत्र भेजकर निर्देश दिये है कि बायोमीट्रिक उपस्थिति जुलाई से सौ प्रतिशत होगी। जहां नहीं होगी वहां मुख्य अभियंता जिम्मेदार होंगे। संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने मंगलवार को सभी जिलों और परियोजना कार्यालयों व विद्युत उपकेंद्रों पर जाकर 9 जुलाई को होने वाले प्रदर्शन के संबंध में जनजागरण किया। हड़ताल में सभी जिलों और परियोजना मुख्यालय पर कर्मचारी प्रदर्शन करेंगे।

# धर्म परिवर्तन के आरोपी छांगुर की कोठी पर दूसरे दिन भी गरज रहे बुलडोजर

लखनऊ,, (संवाददाता)। बलरामपुर में धर्म परिवर्तन कराने के आरोपी जमालुद्दीन उर्फ छांगुर की कोठी पर दूसरे दिन भी अतिक्रमण हटाने का अभियान जारी है। बारिश थमते ही बुधवार को सुबह 11 बजे से बुलडोजर गरजने लगे। एक साथ पांच बुलडोजर लगाए गए, इसके बाद फिर पांच और बुलडोजर बुलाए गए। एसडीएम राजेंद्र बहादुर ने बताया कि 10 बुलडोजर लगाए गए हैं। पोकलैंड न मिलने से बुलडोजर की संख्या बढ़ाई गई है।

छांगुर का धर्म परिवर्तन का अड्डा ध्वस्त

इससे पहले, हिंदू परिवारों का धर्म परिवर्तन कराने के आरोपी जमालुद्दीन उर्फ छांगुर के आलीशान अड्डे पर मंगलवार सुबह 11 बजे बुलडोजर गरजा। छांगुर ने इसे नीतू से नसरीन बनी मुंबई निवासी सिंधी महिला के नाम पर जमीन लेकर करीब 12 करोड़ रुपये में बनवाया था। निर्माण के दौरान ही दो बिस्वा सरकारी जमीन भी कब्जा ली। इसपर तहसील प्रशासन ने कोठी के उस हिस्से को अवैध घोषित कर ध्वस्तीकरण शुरू कर दिया। सोमवार को नोटिस चस्पा करने के बाद कार्रवाई की भनक लगते ही कोठी में रहने वाले लोग गेट पर ताला जड़ बाहर चले गए थे। मंगलवार सुबह 11 बजे पुलिस व प्रशासन की टीम पहुंची। गैस कटर से ताला

कटवाया और फिर तीन बुलडोजर परिसर में दाखिल हुए। गेट के बाएं तरफ बनवाई गई 40 कमरों की कोठी को गिराने की कार्रवाई शुरू हुई। पिलर पर बनी कोठी काफी मजबूत थी, जिसे ढहाने के लिए दो बुलडोजर और मंगवाए गए। इसके बाद दोपहर से ध्वस्तीकरण का अभियान तेज हुआ। शाम तक आधा हिस्सा ही गिराया जा सका। एसडीएम उतरौला राजेंद्र बहादुर ने बताया कि बुधवार सुबह फिर अतिक्रमण हटाया जाएगा।

छांगुर प्रकरण में अब तक हुई कार्रवाई

धर्मांतरण के आरोप में एटीएस ने अगस्त 2024 में एफआईआर दर्ज करके जांच शुरू की। 10 आरोपी बनाए गए, जिसमें जमालुद्दीन उर्फ छांगुर के बेटे महबूब और नवीन रोहरा उर्फ जमालुद्दीन को बीते 08 अप्रैल को गिरफ्तार किया गया। उसी दिन से छांगुर और नीतू उर्फ नसरीन भूमिगत हो गए। एटीएस ने छांगुर और नीतू को पांच जुलाई को लखनऊ से गिरफ्तार कर लिया।

हमने अवैध निर्माण गिराया

धर्म परिवर्तन के आरोपी छांगुर की ओर से किए गए अवैध निर्माण को ढहाया गया है। मामले में शामिल आरोपियों की जांच हो रही है। अतिक्रमण कहीं भी मिला, उसे सख्ती के साथ हटाया जाएगा।

## संक्षिप्त खबरें

### नगर निगम में कर्मचारियों की हड़ताल

लखनऊ, (संवाददाता)। लंबित मांगों को लेकर तीन घंटे का कार्य बहिष्कार बुधवार को नगर निगम कर्मचारियों ने किया। विरोध जताते हुए कर्मचारियों ने कार्यालयों के ताले नहीं खुलने दिया। ऐसे में सुबह काम से आने वाले लोगों को वापस लौटना पड़ा। उत्तर प्रदेश स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष शशि मिश्र ने बताया कि पूरे प्रदेश की निकायों के साथ साथ नगर निगम लखनऊ में भी लंबित समस्याओं का समाधान न होने के कारण अभी सांकेतिक कार्यबंदी की गई है। बंदी सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक है।

### सदरौना से अयोध्या तक गूंजा रामनाम

लखनऊ, (संवाददाता)। 'रामस्थ श्रवण अयोध्या यात्रा' के तहत सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र के सरदौना निवासी श्रद्धालुओं ने रामलला के दर्शन किए। मंगलवार को सरदौना से रवाना हुए श्रद्धालु सुबह से ही भक्ति में डूबे रहे। श्रद्धालु, ढोलक, करताल और मंजीरे की धुन पर थिरकते हुए मंगलाचरण के साथ बस से रवाना हुए। रास्ते भर भजन, आरती, हनुमान चालीसा और लोक गीतों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। अयोध्या पहुंचकर श्रद्धालुओं ने सबसे पहले सरयू में पुण्यस्नान कर आत्मशुद्धि का अनुभव किया। इसके बाद हनुमानगढ़ी में बजरंग बली के दर्शन किए। फिर रामलला के चरणों में हाजिरी लगाई। मालूम हो कि निशुल्क यात्रा का ये 44वां संस्करण है।

### स्नातक चौथे वर्ष में प्रवेश के लिए आवेदन फॉर्म जारी

लखनऊ, (संवाददाता)। एनईपी के तहत स्नातक चौथे वर्ष में प्रवेश के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय ने आवेदन फॉर्म मंगलवार को जारी कर दिया है। छात्रों को अपना फॉर्म भरने के लिए विवि की वेबसाइट www-lkouniv-ac-in पर जाकर एडमिशन पेज पर क्लिक करना होगा। जिन छात्रों के सत्र 2024–25 में स्नातक की परीक्षाओं में पहले सेमेस्टर से चौथे सेमेस्टर तक कुल 7.5 या इससे अधिक सीजीपीए अंक हैं वे अभ्यर्थी स्नातक चौथे वर्ष के सातवें सेमेस्टर का रजिस्ट्रेशन आवेदन अपने विषय में कर दें। इसकी अंतिम तारीख 25 जुलाई है।

### महानगर की 20 हजार की आबादी झेल रही पानी की किल्लत

लखनऊ,, (संवाददाता)। महानगर वार्ड के कई इलाकों की करीब 20 हजार की आबादी पीने के पानी की किल्लत से जूझ रही है। समस्या दूर न होने से नाराज लोगों ने मंगलवार को प्रदर्शन किया। पार्षद हरीशचंद्र लोधी ने बताया कि दर्शनगंज, मेहंदी टोला, विष्णुपुरी कॉलोनी, विष्णुपुरी विस्तार, चर्च रोड, दयाल फोर्ट, बाबा की संगत और चर्च एवेन्यू जैसे क्षेत्रों में पांच वर्ष से बरकरार पानी की समस्या और गहरा गई है। इसे दूर करने के लिए सेंट फेडलिस स्कूल के सामने गांधी पार्क में नलकूप लगाया गया है। इस समय पानी की सफाई का काम किया जा रहा है, लेकिन एक व्यक्ति नलकूप को चालू नहीं होने दे रहा है और जलकल विभाग कड़ी कार्रवाई नहीं कर रहा है।

# मप्र से सटे जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी

लखनऊ,, (संवाददाता)।प्रदेश के तराई वाले इलाकों को छोड़कर ज्यादातर पूर्वी हिस्से में मानसून कमजोर पड़ गया है। वहीं पश्चिमी–तराई और बुंदेलखंड के इलाके में अच्छी मानसूनी बारिश देखने को मिल रही है। प्रदेश में मंगलवार को मुरादाबाद में सर्वाधिक 122 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं बरेली में 70 मिमी, ललितपुर में 66 मिमी, रामपुर में 43.6 मिमी और झांसी में 39 मिमी बारिश हुई। मौसम विभाग ने बुधवार के लिएपश्चिमी–तराई, विंध्य क्षेत्र और बुंदेलखंड के इलाकों में अच्छी बारिश की संभावना जताई है। बुंदेलखंड के छह जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट भी जारी किया है। साथ ही 41 जिलों में गरज चमक के साथ आकाशीय बिजली गिरने की आशंका है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि फिलहाल मानसूनी ट्रफ लाइन भटिंडा से रोहतक और कानपुर होते हुए मध्यप्रदेश की ओर गुजर रही है। यही वजह है कि एमपी से सटे जिलों, विंध्य क्षेत्र और बुंदेलखंड में मानसून ज्यादा सक्रिय है। फिलहाल पूर्वी–तराई इलाके में लोगों को बादलों की आवाजाही के साथ गरज चमक और हल्की बूंदाबांदी से ही संतोष करना पड़ेगा। बांदा, चित्रकूट, कौशाम्बी, प्रयागराज, फतेहपुर, सोनभद्र, मिर्जापुर, बहराइच, लखीमपुर खीरी, कानपुर देहात, कानपुर नगर, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़, गौतम बुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर और आसपास के इलाकों में।

# संभव अभियान 4.0 के जरिये कुपोषण दर में आई कमी... श्रावस्ती बना रोल मॉडल

लखनऊ,, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में बच्चों, गर्भवतियों और धात्री माताओं में कुपोषण और एनीमिया जैसी गंभीर समस्याओं को मात देने की दिशा में संभव अभियान 4.0 ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। सीएम योगी के संभव अभियान से प्रदेश में तीव्र कुपोषण और अल्प वजन बच्चों की दर में कमी दर्ज की गयी है। अभियान में श्रावस्ती ने शानदार प्रदर्शन कर प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है, जबकि दूसरे स्थान पर वाराणसी और तीसरे पर उन्नाव है। बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग की डायरेक्टर सरनीत कौर ब्रोका ने बताया कि प्रदेश में बच्चों में आयरन, एनीमिया और कुपोषण की दर में कमी दर्ज की गयी है। एनएफएचएस–5 (राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण–5) की मई–25 की रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में वर्ष 2019–21 के मुकाबले 2025 में तीव्र कुपोषण में 4 प्रतिशत और अल्प वजन बच्चों की दर में 20 प्रतिशत की कमी दर्ज की गयी है। प्रदेश के 0–6 वर्ष के बच्चों में कुपोषण की स्थिति पर निगरानी की गई, जिससे 2019–21 के एनएफएचएस–5 आंकड़ों के अनुसार में तीव्र कुपोषण की दर 17.3 प्रतिशत थी, जो मई–2025 तक पोषण ट्रेकर के अनुसार घटकर 4 प्रतिशत रह गयी है। इसी तरह वर्ष 2019–21 में अल्प वजन बच्चों की दर 34.5 प्रतिशत थी, जो मई 2025 तक घटकर 20.0 प्रतिशत रह गई है। प्रदेश सरकार ने 7 जुलाई को संभव अभियान 5.0 की शुरुआत की है। इसका उद्देश्य प्रदेश का हर बच्चा सुपोषित हो, हर मां सुरक्षित रहे और जीरो हंगर के लक्ष्य को प्राप्त करना है।

# शिक्षा–स्वास्थ्य में और काम करने की जरूरत : आनंदीबेन पटेल

लखनऊ, (संवाददाता)। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से मंगलवार को राजभवन में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) की टीम ने राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) में ए ग्रेड प्राप्त करने पर मुलाकात की। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सफलता टीम भावना, सतत प्रयास और प्रभावी दिशा–निर्देशों का परिणाम है। उच्च शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए सभी विश्वविद्यालयों को नैक मूल्यांकन में भाग लेना चाहिए। शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं। इन क्षेत्रों में और काम करने की आवश्यकता है। उन्होंने गुजरात के आंगनबाड़ी मॉडल, चंडीगढ़ विश्वविद्यालय की यात्रा और गुजरात के प्रवेशोत्सव जैसे नवाचारों की चर्चा करते हुए इन्हें उत्तर प्रदेश में भी अपनाने पर बल दिया। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों को अपनापन और उत्तरदायित्व की भावना से कार्य करना चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय को एनआईआरएफ, क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग आदि में स्थान प्राप्त करने के लिए ज्ञान का आदान–प्रदान करने पर जोर दिया। राज्यपाल ने निर्देश दिया कि नैक मूल्यांकन में जो कमियां पाई गई, उनमें सुधार करें। छात्रों के साथ ज्ञान साझा करने की प्रक्रिया को प्रोत्साहित किया जाए। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय की नैक टीम को प्रशस्ति–पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ. सुधीर महादेव बोबड़े, विशेष कार्याधिकारी (शिक्षा) डॉ. पंकज एल जानी, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी पांडेय व विश्वविद्यालय की नैक टीम के सदस्य उपस्थित थे।

# कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ,, (संवाददाता)। कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाकर युवती से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता ने सुशांत गोल्फ सिटी थाने में केस दर्ज कराया है। पुलिस ने अयोध्या के पहाड़गंज रामनगर निवासी आरोपी मो. फरहाज को गिरफ्तार कर लिया है। सुलतानपुर निवासी पीड़िता एक मॉल में काम करती है, जहां फरहाज भी तैनात है। आरोप है कि इसी वर्ष छह फरवरी को मॉल के पीछे चाय की दुकान पर पीड़िता की फरहाज से मुलाकात हुई थी। आरोपी पीड़िता को होटल सूर्यवंशी लेकर गया था, जहां उसने कमरे में कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया। इससे युवती बेहोश हो गई। इसके बाद आरोपी ने युवती से शारीरिक संबंध बनाए। इसका वीडियो भी बना लिया। युवती ने होश में आने के बाद आरोपी से पूछा तो उसने वीडियो दिखाते हुए धमकी दी। आरोपी ने कहा कि अगर वह किसी से शिकायत करेगी तो वह अश्लील वीडियो वायरल कर देगा। आरोपी लगातार युवती को ब्लैकमेल कर रुपये भी लेता था। विरोध करने पर आरोपी ने 25 जून को युवती की पिटाई कर दी। यही नहीं जान से मारने की धमकी भी दी। परेशान होकर पीड़िता अपने घर सुलतानपुर चली गई। सोमवार को वह परिजनों के साथ थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराया। गाजीपुर पुलिस ने 13 वर्षीय किशोरी से दुष्कर्म करने के आरोपी दोस्त सर्वोदय नगर निवासी देवकरन सिंह को गिरफ्तार कर लिया। इंस्पेक्टर विकास राय के मुताबिक मामले में पीड़िता के पिता ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कराया था। आरोपी ने 19 जून को पीड़िता से अपने घर में दुष्कर्म किया था।

## संक्षिप्त खबरें

### 132 बोतल एक्सपायर्ड कोल्ड ड्रिंक कराई नष्ट

लखनऊ, (संवाददाता)। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने मोहनलालगंज से अयोध्या रोड, राजाजीपुरम, कुर्सी रोड (भिटौली खुर्द) और तेलीबाग में प्रतिष्ठानों की सघन जांच का अभियान चलाया। इस दौरान एक्सपायर्ड सामग्री नष्ट कराई गई। अनियमितता मिलने पर प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी किया गया है। 30 से अधिक प्रतिष्ठानों पर मूल्य सूची भी लगाई गई। जांच के दौरान गुलजार कॉलोनी चिनहट स्थित ब्लॉसम कूल कॉर्नर पर 132 बोतल एक्सपायर्ड कोल्ड ड्रिंक पाई गई, जिसे मौके पर ही नष्ट कराया गया। आनंद विहार कॉलोनी चिनहट स्थित बाप्पा श्री रेस्टोरेंट में आठ पैकेट गजक, तीन पैकेट नूडल्स, तीन बोतल रेड चिली सॉस, पांच किलो कॉन्टिनेंटल सॉस, छह पैकेट मठरी और आठ पैकेट मियोनीज एक्सपायर मिलीं। इन्हें तत्काल नष्ट कराया गया। राजाजीपुरम स्थित मिस्टर सिंह फास्ट फूड पर बासी बिरयानी, पनीर टिक्का, दो किलो एक्सपायर्ड सॉस फिंकवाया गया।

### 26 स्कूली वाहनों का चालान, छह सीज

लखनऊ,, (संवाददाता)। स्कूली वाहनों की जांच के लिए आरटीओ ने मंगलवार को विकासनगर और गोमतीनगर में चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान मानक पूरे न करने वाले 26 वाहनों का चालान किया गया। छह वाहनों को सीज किया गया। कार्रवाई के दौरान कुल 14 हजार रुपये जुर्माना वसूला गया। टीम ने रानी लक्ष्मीबाई स्कूल विकासनगर और सीएमएस गोमतीनगर के पास 65 वाहनों की जांच की, जिसमें 26 वाहन मानक के अनुरूप नहीं मिले। इनमें से आठ वाहन फिटनेस समाप्त होने के बाद भी चलाए जा रहे थे। आरटीओ ने बिना फिटनेस के दौड़ रहे 26 वाहनों का चालान कर छह को सीज किया। एक हफ्ते में आरटीओ ने अब तक 323 वाहनों का चालान कर 89 गाड़ियों को सीज किया है। इनसे 2.56 लाख रुपये जुर्माना भी वसूला गया है।

### प्राथमिक विद्यालयों के विलय के खिलाफ बीएसए कार्यालय पर प्रदर्शन

लखनऊ, (संवाददाता)। राज्य सरकार की ओर से छात्र संख्या कम होने पर प्राथमिक विद्यालयों के पेयरिंग (विलय) की नीति के विरोध में मंगलवार को बड़ी संख्या में शिक्षक बीएसए कार्यालय पहुंचकर धरने पर बैठ गए। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले हुए इस विरोध प्रदर्शन में शिक्षकों ने हाईकोर्ट के फैसले पर नाराजगी जताते हुए इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की बात कही। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि सरकार की इस नीति से गांवों के हजारों बच्चे शिक्षा से वंचित हो जाएंगे। संघ के अध्यक्ष सुधांशु मोहन ने आरोप लगाया कि "स्कूलों का विलय असल में उन्हें बंद करने की साजिश है।" उन्होंने कहा कि इस फैसले से रसोइयों की नौकरी पर भी संकट आ गया है और हजारों पदों को समाप्त करने की तैयारी की जा रही है। विरोध प्रदर्शन में उपस्थित शिक्षकों ने कोर्ट के फैसले पर कटाक्ष करते हुए कहा, "हम भगवान से प्रार्थना करते हैं ।

# बीबीएयू की लैब को मिली एनिमल ट्रायल्स की मंजूरी

लखनऊ, (संवाददाता)। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) को अब प्रयोगशाला चूहों पर वैज्ञानिक अनुसंधान की अनुमति मिल गई है। विश्वविद्यालय को केंद्र सरकार के मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के अधीन श्पशुओं पर प्रयोगों की निगरानी और नियंत्रण समितिश् से अपने एनिमल हाउस के लिए राष्ट्रीय पंजीकरण प्राप्त हुआ है। साथ ही विश्वविद्यालय ने संस्थानिक पशु नैतिकता समिति (आईएईसी) का गठन भी कर लिया है। बीबीएयू की प्रवक्ता डॉ. रचना गंगवार ने बताया कि इस उपलब्धि में फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग के अध्यक्ष व आईएईसी के चेयरपर्सन प्रो. पीएस रजनीकांत, डॉ. विकास मिश्रा, प्रो. आभा मिश्रा और प्रो. वी. एलांगोवन का विशेष योगदान रहा। पंजीकरण के साथ अब विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय दिशा–निर्देशों के तहत चूहों पर प्रीक्लिनिकल स्टडीज, दवा विकास परीक्षण और जैव–चिकित्सकीय प्रयोग संभव होंगे। यह कदम बीबीएयू में न सिर्फ फार्मास्युटिकल साइंसेज, बल्कि जीवन विज्ञान के अन्य क्षेत्रों के शोधकर्ताओं के लिए भी नई संभावनाएं खोलेगा। अब वैज्ञानिक दवा परीक्षणों के पूर्व–चरण में गहराई से काम कर सकेंगे, जिससे शोध की गुणवत्ता और प्रयोगात्मक दायरा दोनों का विस्तार होगा। साथ ही यह प्रगति उद्योगों के साथ शोध सहयोग के नए द्वार भी खोल सकती है, जिससे विश्वविद्यालय की नवाचार क्षमता को बल मिलेगा।

# निजीकरण के विरोध में कर्मियों का प्रदर्शन

लखनऊ,, (संवाददाता)। पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण किए जाने की कार्रवाई के विरोध में बुधवार को बिजली कर्मियों ने देशव्यापी एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल के तहत लखनऊ में शक्ति भवन पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने पावर कॉरपोरेशन प्रबंधन को अल्टीमेटम दिया कि वह किसी भी हालत में पूर्वांचल और दक्षिणांचल निगम का निजीकरण नहीं होने देंगे। लखनऊ में यह विरोध प्रदर्शन साझा संगठनों की संघर्ष समिति की ओर से शक्ति भवन पर सुबह 11:00 बजे से आयोजित किया गया था। धरने पर

बैठे अभियंताओं और कर्मचारियों को संबोधित करते हुए समिति के संयोजक इंजीनियर शैलेंद्र दुबे ने कहा कि पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण किए जाने से प्रदेश के 47 जनपदों में बिजली व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो जाएगी और आम जनता को महंगी बिजली खरीदनी पड़ेगी। अभियंताओं और कर्मचारियों ने कार्पोरेशन प्रबंधन पर मनमानी तरीके से एकतरफा कार्रवाई करने का विरोध करते हुए जमकर नारेबाजी की।

### भाषा विवि में 694 अभ्यर्थियों ने दी प्रवेश परीक्षा

लखनऊ,(संवाददाता)। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में मंगलवार को स्नातक व परास्नातक कोर्स के लिए प्रवेश परीक्षा हुई। इसमें सभी कोर्स के लिए 694 अभ्यर्थियों ने उपस्थिति दर्ज करवाई। प्रवक्ता डॉ. रुचिता चौधरी ने बताया कि विवि में सभी कोर्स के लिए दूसरी पाली में दोपहर तीन से चार ।

### लविवि में बीसीए और बीएससी मैथ्स के लिए प्रवेश परीक्षा आज

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय में सत्र 2025–26 के स्नातक प्रवेश परीक्षाओं की श्रृंखला में बुधवार को पहली पाली में बीसीए व दूसरी पाली में बीएससी मैथ्स की सीटों के लिए प्रवेश परीक्षा होगी। बुधवार को बीसीए व बीएससी की प्रवेश परीक्षा के लिए कुल 6648 अभ्यर्थी शामिल हो रहे हैं। पहली पाली की परीक्षा सुबह साढ़े दस बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर बाद ढाई बजे से चार बजे के बीच होगी। प्रश्नपत्र में कुल सौ बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे, जिन्हें 90 मिनट में हल करना होगा। जिन अभ्यर्थियों ने किसी तरह का आरक्षण का दावा किया है या एनसीसी और स्पोर्ट का भारण मांगा है, उन्हें अपना मूल प्रमाण पत्र साथ लाना होगा।

# पांच रचनाकारों को विभोर स्मृति सम्मान

लखनऊ, (संवाददाता)। काव्य कला संगम संस्था के तत्वावधान में आचार्य रामदेव लाल विभोर की 89वीं जयंती यूपी प्रेस क्लब में मनाई गई। इस अवसर पर पत्रिका विभोर स्मारिका का लोकार्पण किया गया। साथ ही वरिष्ठ कवियों को आचार्य रामदेव लाल विभोर स्मृति सम्मान 2025 से नवाजा गया। समारोह के अध्यक्ष डॉ. हरिशंकर मिश्र जी ने कहा कि विभोर जी ने प्रासंगिक विपुल साहित्य की सर्जना की और लक्षण ग्रंथ भी लिखे। कहा, वे आचार्य कवि की कोटि में आने वाले मनीषी हैं। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व प्रेरक और मार्गदर्शक है। इस मौके पर मुरलीधार पांडेय (मुंबई),

रामकिशोर तिवारी (बाराबंकी), उमेश चंद्र दुबे, अवधेश गुप्त श्शनमनश्श और डॉ. सुषमा विप्लव श्शसौम्याश्श को आचार्य रामदेव लाल विभोर स्मृति सम्मान–2025 से अलंकृत किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. राम कठिन सिंह ने कहा कि अप्रतिम साहित्यिक प्रतिभा के धनी रामदेव लाल श्शविभोरश्श एक उच्च कोटि के कवि तो थे ही, साथ ही छंद कविता के महत्व को समझने के लिए उन्होंने जो छंद–विधान पर शोधपूर्ण कार्य किया, वह अद्वितीय है। विशिष्ट अतिथि साहित्य भूषण मधुकर अष्ठाना ने अपनी काव्य पंक्तियों के जरिये अपनी बात रखी। उन्होंने सुनाया– जिए तो ऐसे कि फूलों के साथ नाम रहा।

# "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत कुल्हनामऊ में पौधरोपण,

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर नगर पालिका परिषद जौनपुर द्वारा "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के अंतर्गत कुल्हनामऊ स्थित सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट पर विशेष पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष मनोरमा रामसूरत मौर्या ने कहा कि "मां सिर्फ एक रिश्ता नहीं, बल्कि जीवन की प्रेरणा है। इस अभियान से हम न केवल प्रकृति को समृद्ध कर रहे हैं, बल्कि अपनी मां के प्रति श्रद्धा भी प्रकट कर रहे हैं। नगर पालिका ऐसे कार्यों को और गति देगी।" कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित एडीएम भू–राजस्व अजय कुमार अंबष्ट ने कहा कि "प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखने के लिए वृक्षारोपण जरूरी है। 'एक पेड़ मां के नाम' जैसी पहल समाज को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने का सराहनीय प्रयास है।" नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी पवन कुमार ने कहा कि "हमारा प्रयास है कि हर व्यक्ति इस अभियान से जुड़े और अपनी मां के सम्मान में एक पौधा अवश्य लगाए। यह पर्यावरण के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है।" अध्यक्ष प्रतिनिधि डा. रामसूरत मौर्या ने कहा "यह सिर्फ एक पौधरोपण कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज को प्रकृति से जोड़ने की एक प्रेरणादायक शुरुआत है। मां के नाम पर लगाया गया एक पेड़ सैकड़ों जीवनों को शुद्ध हवा देगा। इस मौके पर डीपीएम खुशबू यादव, आशीष श्रीवास्तव, सभासदगण और कर्मचारियों ने भी पौध रोपण किया।"

# सनातन धर्म आश्रम में गुरु पूर्णिमा महोत्सव मनाया गया

सिटी रिपोर्टर प्रत्यूष पाण्डेय

लखनऊ। सनातन धर्म परिषद के संयोजन में सनातन धर्म आश्रम सनातन नगर में श्री गुरु पूर्णिमा महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया इस अवसर पर प्रदेश के तमाम जनपदों से भक्तों ने आश्रम में आकर गुरु पूजन किया तथा प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर आयोजित विशाल भंडारे में सैकड़ो भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया तथा श्रद्धा के अनुसार दान करके गुरु पूजन किया। सनातन धर्म परिषद एवं सनातन नगर विकास ट्रस्ट द्वारा आयोजित गुरु पूर्णिमा महोत्सव पर भजन कीर्तन एवं सत्संग तथा भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें डॉक्टर स्वामी भगवदाचार्य जी महाराज ने प्रवचन करते हुए कहा कि गुरु का तात्पर्य अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाना है। तमसो मा ज्योतिर्गमय भगवान ने शास्त्रों में स्वतरू कहा है कि आचार्य या गुरु को मुझे ही समझो, मेरे और उनमें भेद नहीं है।इस अवसर पर सर्वश्री प्रतिनिधि जिला पंचायत अध्यक्ष बलरामपुर श्याम मनोहर तिवारी, प्रधान रिंकू मिश्रा, राहुल वर्मा, शुभम सिंह, सौरभ सोनी,अभय प्रकाश बाजपेई, पंडित हरिओम, रामकिशोर मिश्र, सुनील शास्त्री, रामकुमार शुक्ला, रोहित मिश्रा, मुकेश,मनोज कुमार,विजय कुमार बाजपेई, अशोक दुबे, आदर्श बाजपेई, शैलजा मिश्रा, किरण पाण्डेय, सरोज बाजपेई, अंशिका बाजपेई, साधना मिश्रा, शशि मिश्र, रेखा साहू, ममता सिंह, सहित तमाम जनपदों के श्रद्धालु भक्त उपस्थित रहे।

# शिक्षक व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने पौधे रोपित किये

सिटी रिपोर्टर प्रत्यूष पाण्डेय

लखनऊ।वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत डॉक्टर राम मनोहर लोहिया महाविद्यालय अलीपुर हरदोई में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें करौंदा गुलमोहर अनार अमरूद आदि के वृक्ष रोपित किए गए इस अवसर पर डॉक्टर शशिकांत पांडे ने बताया कि वृक्ष हमारे जीवन का अभिन्न अंग है इससे हमें ऑक्सीजन तथा विभिन्न प्रकार के फल व औषधियां प्राप्त होती हैं जिस पर हमारा जीवन निर्भर करता है अतः हमें वृक्ष लगाने चाहिए तथा उनका संरक्षण करना चाहिए इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने पौधे रोपित किये तथा अपने द्वारा रोपित किए हुए पौधों को संरक्षित सुरक्षित रखने का वचन लिया श्री आनंद सर ,डॉक्टर रश्मि द्विवेदी ,वैष्णवी ,सुमन ,शुभम मिश्रा , शिवम शुक्ला आदि उपस्थित रहे।

# विद्यालय पेयरिंग आदेश के विरोध में बीएसए कार्यालय पर गरजे शिक्षक

बस्ती, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर मंगलवार को परिषदीय स्कूलों के पेयरिंग के विरोध में बड़ी संख्या में शिक्षकों ने संघ के जिलाध्यक्ष चन्द्रिका सिंह के नेतृत्व में बीएसए कार्यालय पर धरना दिया। इसके बाद जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष चन्द्रिका सिंह ने धरने को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार के विद्यालय पेयरिंग वाले तानाशाही फैसले के खिलाफ पूरे प्रदेश के शिक्षक आक्रोशित हैं। कहा कि यदि विद्यालय बंद कर दिए जाएंगे तो गरीब और पिछड़े क्षेत्रों के बच्चों को जरूरी शिक्षा से वंचित होना पड़ेगा। यदि सरकार इस निर्णय को तत्काल वापस नहीं लेगी तो प्रदेश व्यापी आन्दोलन किया जाएगा। जिलामंत्री बालकृष्ण ओझा और जिला कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव ने कहा कि यदि गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों को विभाग के अधिकारियों का संरक्षण प्राप्त न होता यह स्थिति उत्पन्न न होती। कहा कि जिन स्कूलों को छोटा कहकर बंद किया जा रहा है, वे ही गांवों के बच्चों के लिए आत्मविश्वास, सामुदायिक जुड़ाव और जीवन की बुनियादी पहचान हैं। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों पर इसका गहरा प्रभाव पडेगा। इसलिए सरकार को अपने निर्णय पर पुनर्विचार करके इसे वापस लेना चाहिए। धरने को अनिल पाठक, मुरलीधर वर्मा, सनद पटेल, सत्य प्रकाश, दिनेश सिंह, अशोक यादव, शिव रतन, अटल बिहारी, हरेंद्र यादव, राम भवन, विजय, अविनाश दूबे, सविता, वन्दना त्रिपाठी, विवेक कान्त पाण्डेय, प्रवीण श्रीवास्तव, सुधीर तिवारी, शिव प्रकाश सिंह, चंद्रभूषण, राजेश गिरी, मधुकर जी, राम पियारे, राम सागर वर्मा, राजकुमार तिवारी, सुरेश गौंड, बब्बन पाण्डेय, मुक्तेश्वर यादव, विकास भट्ट, संतोष, हरिओम, शशिकांत आदि ने संबोधित किया। वक्ताओं ने कहा कि सरकार पर कहावत सही लागू होती है की जरूरी नहीं है कि एकलव्य का अंगूठा ही काटा जाय, शिक्षा को महंगा करके भी तो एकलव्य को शिक्षा से वंचित किया जा सकता है। इसीलिए प्राथमिक विद्यालय बंद कर देंगे और निजी विद्यालय और डिग्री फीस इतनी बड़ा देंगे कि गांव गरीब का बच्चा पढ़ ही न पाए। स्कूल बन्द करने से गरीब तपके के बच्चे बड़ी संख्या में शिक्षा से वंचित होंगे साथ ही प्रधानाध्यापक, शिक्षक व शिक्षणेत्तर कर्मियों के लाखों पद भी खत्म हो जायेंगे। संचालन समीउल्लाह अंसारी ने किया। कडी धूप और उमस के बावजूद शिक्षक जमे रहे।

# मैक्स अस्पताल, लखनऊ ने अपनी 2X47 इमरजेंसी और टॉमा केयर की एडवांस सुविधा को प्रमुखता से दर्शाया

सिटी रिपोर्टर प्रत्यूष पाण्डेय

लखनऊ। मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ ने अपनी 24X7 इमरजेंसी और ट्रॉमा सेवाओं को लगातार नई ऊंचाईयों तक पहुंचाया है। तेज रिस्पॉन्स, सटीक इलाज और संवेदनशील अप्रोच के लिए पहचान बनाने वाला मैक्स हॉस्पिटल, लखनऊ, गंभीर और जीवनरक्षक इलाज के लिए शहर के सबसे भरोसेमंद चिकित्सा संस्थानों में गिना जाता है। मैक्स अस्पताल, लखनऊ का इमरजेंसी विभाग हर स्तर के ट्रॉमा मामलों को संभालने में सक्षम है दृ हल्की चोटों से लेकर गंभीर आपात स्थितियों तक (लेवल 1 से 5 तक)। यहां हर मरीज को उसकी स्थिति की गंभीरता के अनुसार तुरंत और उपयुक्त इलाज मिलता है। मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ में इमरजेंसी मेडिसिन के इंचार्ज, डॉ. सौरभ कुमार सिंह बताते हैं, ष्इमरजेंसी में देरी का मतलब खतरा होता है, इसलिए हमने सबसे जटिल ट्रॉमा मामलों को संभालने के लिए विशेषज्ञ डॉक्टरों की एक टीम तैयार की है। हमारे पास 9 बेड वाला एक डेडीकेटेड इमरजेंसी आईसीयू है, जिसे 'न्यूरो और हार्ट कमांड सेंटर' के तौर पर तैयार किया गया है। यहाँ दिल का दौरा, स्ट्रोक और बच्चों की इमरजेंसी जैसे संवेदनशील मामलों को तुरंत सँभालने की व्यवस्था है। इसके साथ ही बर्न केसेज और संक्रामक बीमारियों के लिए अलग आइसोलेशन रूम भी मौजूद हैं। हमारी टीम न सिर्फ तेजी से काम करती है, बल्कि हर मरीज को समझदारी और संवेदनशीलता से संभालती है। इलाज के दौरान हर मिनट कीमती होता है। हमारा पूरा ध्यान उस वक्त सबसे बेहतर इलाज देने पर होता है जब मरीज को इसकी सबसे ज्यादा जरूरत होती है। डॉ. सिंह ने आगे कहा कि, "सिर्फ अस्पताल में ही नहीं बल्कि मैक्स की एम्बुलेंस सेवा भी आईसीयू स्तर की सुविधा से लैस है। मैक्स एम्बुलेंस में वेंटिलेटर, कार्डियक मॉनिटर, डिफिब्रिलेटर और जीपीएस ट्रैकिंग जैसी सुविधाएं होती हैं। इलाज एम्बुलेंस में शुरू हो जाता है और अस्पताल तक आने में एक पल की भी देरी नहीं होती। इमरजेंसी रेस्पॉन्स और पेंशट केयर के लिए हमारे पास अत्याधुनिक तकनीक से लैस 5जी एम्बुलेंस है, जो कि मुश्किल समय में मरीज की जीवनरक्षा में महत्वपूर्ण है।" मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ में कार्डियोलॉजी के चेयरमैन, डॉ. नकुल सिन्हा ने कहा कि, "हार्ट अटैक जैसी इमरजेंसी में जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर एक–एक सेकंड का होता है। हमारा हार्ट कमांड सेंटर इसी सोच के साथ बनाया गया है ताकि सबसे मुश्किल हालात में भी सही वक्त पर सही इलाज मिल सके। हमारे लिए सबसे जरूरी बात यही है कि जरूरत के समय मरीज को उच्चतम स्तर की देखभाल दी जाए। मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ में चेयरमैन और चीफ न्यूरोसर्जन, डॉ. मजहर हुसैन, बताते हैं, ष्न्यूरोलॉजिकल इमरजेंसी जैसे ब्रेन स्ट्रोक, सिर की चोट और रीढ़ की हड्डी में ट्रॉमा में जल्दी जांच और इलाज जरूरी होता है, ताकि गंभीर नुकसान या जान का खतरा टाला जा सके। श्न्यूरो कमांड सेंटरश और उसमें मौजूद मल्टीडिसिप्लिनरी विशेषज्ञों की टीम की मदद से हम समय रहते जीवनरक्षक इलाज शुरू कर सकते हैं।" अस्पताल में रीयल–टाइम मॉनिटरिंग, पोर्टेबल इमेजिंग, एआई आधारित जाँचें और प्वाइंट–ऑफ–केयर टेस्टिंग जैसी तकनीकों का इस्तेमाल किया जाता है। इससे न सिर्फ फैसला लेना आसान होता है, बल्कि इलाज भी बिना देरी के शुरू हो पाता है। मैक्स हॉस्पिटल को एनएबीएच और एनएबीएल से मान्यता प्राप्त है, जो इलाज की गुणवत्ता और मरीज सुरक्षा की गारंटी है। मैक्स हॉस्पिटल की इमरजेंसी टीम को समय–समय पर देश और विदेश के विशेषज्ञों से प्रशिक्षण दिलाया जाता है। हाल ही में वॉशिंगटन डीसी से आए एक सीनियर ट्रॉमा एक्सपर्ट ने अस्पताल की तैयारियों का आकलन किया और टीम को जटिल मामलों की रीयल–टाइम ट्रेनिंग दी। लखनऊ और आस–पास के इलाकों के लोग किसी भी आपात स्थिति में मैक्स हॉस्पिटल पर भरोसा कर सकते हैं। इमरजेंसी में तुरंत मदद या एम्बुलेंस सेवा के लिए 0522–6780001 पर संपर्क करें।

# सेन्ट फ्रांसिस स्कूल के नये भवन में शिक्षा सत्र शुरू

बस्ती, (संवाददाता)। सेन्ट फ्रांसिस स्कूल के नये भवन में शिक्षा सत्र का आरम्भ हुआ। डायरेक्टर सुष्मिता सानू ने छात्रों का तिलक लगाकर स्वागत करते हुये कहा कि पहले यह स्कूल शिवाकालोनी में चलता था जहां खेलकूद का मैदान नहीं था, और कमरे छोटे थे। चननी स्थित नये भवन में छात्रों के लिये सभी उच्चस्तरीय सुविधायें उपलब्ध करायी गई है। उन्होने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे पहले स्कूल आये और व्यवस्था देखे इसके बाद ही बच्चों का प्रवेश कराये।

# पंचायत चुनाव में मजबूती से उतरेगी आम आदमी पार्टी– संजय सिंह

बस्ती, (संवाददाता)। बुधवार को आम आदमी पार्टी के सांसद, उत्तर प्रदेश प्रभारी संजय सिंह के बस्ती आगमन पर पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने रेलवे स्टेशन पर जिलाध्यक्ष डा. राम सुभाष वर्मा के नेतृत्व में फूल मालाओं के साथ स्वागत किया। संजय सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में स्कूलों को बंद करने का फैसला दुर्भाग्यपूर्ण है। आम आदमी पार्टी इन सवालों को लेकर आन्दोलन छेड़ेगी। यादव कथा वाचक को मारने पीटने के मामले में कहा कि संघ परिवार जान बूझकर समाज में घृणा, नफरत फैला रहा है। कहा कि आम आदमी पार्टी पूरी मजबूती के साथ पंचायत चुनाव में उतरेगी। रेलवे स्टेशन से ही संजय सिंह सिद्धार्थनगर के लिये रवाना हो गये।आम आदमी पार्टी सांसद संजय सिंह का स्वागत करने वालों में रजत चौरसिया, कुलदीप जायसवाल, पतिराम आजाद, संजय चौधरी, अनुज पाठक, दुर्विजय यादव, अजय नरायन मिश्र, मिथलेश भारती, चन्द्रभान कन्नौजिया, राम अदालत गुप्ता, रामसजन सूर्यबंशी, सुनीता देवी, अद्या प्रसाद अग्रहरि, रामाज्ञा चौधरी, खुर्शीद आलम, संजय कुमार चन्द्रबंशी, रिजवान, देवनाथ, इन्द्रदेव, रामनरेश प्रजापति, राकेश गौतम, दिनेश, वीरेन्द्र यादव, अजय कुमार, विनय कुमार, वीरेन्द्र कसौधन, यशपाल, रामनरेश, रामराज आदि शामिल रहे।

# बसपा ने किया छात्रा की हत्या मामले में दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग

बस्ती, (संवाददाता)। बहुजन समाज पार्टी के एक प्रतिनिधि मण्डल ने मंगलवार को जिलाध्यक्ष अनिल कुमार गौतम के नेतृत्व में अपर पुलिस अधीक्षक से मिलकर लालगंज थाना क्षेत्र के सिद्धनाथ गांव में कक्षा 1 की छात्रा की हत्या मामले में दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग किया। कहा कि पिछले दो माह पूर्व हुये इस सनसनीखेज हत्या मामले का खुलासा न होने से लोगों में रोष है। बसपा जिलाध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया कि अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि डीएनए रिपोर्ट आने के बाद मामले का खुलासा कर दिया जायेगा।इसी कड़ी में बसपा की जिला स्तरीय कार्यकर्ता समीक्षा बैठक प्रेस क्लब सभागार में जिलाध्यक्ष अनिल कुमार गौतम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में बूथ स्तर पूरा कर सांगठनिक मजबूती पर जोर दिया गया।समीक्षा

बैठक को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुये मुख्य मण्डल प्रभारी पूर्व एम.एल.सी. डा. विजय प्रताप ने कहा कि आगामी 2027 का चुनाव बसपा बहन मायावती के नेतृत्व में पूरी मजबूती से लड़ेगी। इसके लिये संगठन को बूथ स्तर पर और अधिक मजबूत किया जा रहा है। कहा कि बसपा सर्व समाज को साथ लेकर आगे बढ रही है। विशिष्ट अतिथि मण्डल प्रभारी भगवानदास, धर्मदेव प्रियदर्शी, सीताराम शास्त्री, जिला प्रभारी संजय धूसिया, आदि ने संगठन की मजबूती पर जोर दिया। जिलाध्यक्ष अनिल कुमार गौतम ने उपस्थित नेताओं, कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुये कहा कि बैठक में जो महत्वपूर्ण सुझाव आये हैं उसका जमीनी धरातल पर तेजी के साथ क्रियान्वयन कराया जा रहा है।

# जनसुनवाई के दौरान अब तक 160 बुजुर्गों के बने आयुष्मान कार्ड'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' गुरुवार को जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी अनुनय झा ने बड़ी संख्या में लोगों की समस्याओं को सुना। जन सुनवाई के दौरान कुल 62 शिकायतें प्राप्त हुईं जिनके त्वरित निस्तारण के निर्देश उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को दिए। जन सुनवाई के दौरान मौके पर ही पात्रों को वृद्धावस्था पेंशन, निराश्रित महिला पेंशन व दिव्यांग पेंशन से आच्छादित कराया गया। मौके पर ही 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनवाये गए। आज कुल 04 बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बने। इस प्रकार अब तक जिलाधिकारी अनुनय झा की जन सुनवाई के दौरान ही अब तक 160 बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनाये जा चुके हैं। अंत्योदय कार्ड धारकों का भी आयुष्मान कार्ड बनवाया गया। जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि अंश निर्धारण व पैमाइश के प्रकरणों को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाये।

भूमि विवाद के प्रकरणों के स्थायी समाधान के लिए थाकबंदी में देरी न की जाये। तारांकित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराया जाये। एक महिला मंजू देवी जिनके पति का देहांत हो चुका है, को पति का मृत्यु प्रमाण पत्र दिलाने के साथ पारिवारिक लाभ योजना का लाभ दिलाया गया। उनके दोनों बच्चों को बाल सेवा योजना से आच्छादित कराया गया। उनका मौके पर ही राशन कार्ड बनाया गया। गिरीश चन्द्र नाम के एक दिव्यांग व्यक्ति को दुकान संचालन योजना के अंतर्गत धनराशि दिलाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रफुल्ल त्रिपाठी, उप जिलाधिकारी भूमिका राजबहादुर व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

# आतंकी संगठन आईएसआईएस से जुड़े थे गोरखनाथ मंदिर पर हमले के तार

गोरखपुर, (संवाददाता)। वैश्विक संस्था, वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म और ऑनलाइन भुगतान सेवाओं के जरिये आतंकवादियों को पैसों और उपकरणों की मदद के ताजे खुलासे से साल 2022 में हुए गोरखनाथ मंदिर पर हमले की याद ताजा हो गई। इस दहशत भरी कार्रवाई में भी आतंकी फंड के इस्तेमाल का पता चला था। इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया (आईएसआईएस) से ऑनलाइन लेनदेन किया गया था। तब अमर उजाला ने इसे प्रमुखता से प्रकाशित किया था। मामले में दोषी मुर्तजा अहमद अब्बासी को मौत की सजा सुनाई जा चुकी है। बता दें तीन अप्रैल, 2022 की शाम सवा सात बजे गोरखनाथ मंदिर की सुरक्षा में तैनात पीएसी जवानों पर आईएसआईएस की विचारधारा से प्रभावित आतंकी मुर्तजा अहमद अब्बास ने धारदार बांका से हमला कर दिया था। हमलावर मुर्तजा ने जवानों से हथियार छीनने का भी प्रयास किया। मरने–मारने पर उतारू मुर्तजा ने बांके से वार कर दो जवानों को बुरी तरह जख्मी कर दिया। मौके पर पहुंचे दूसरे जवानों ने किसी तरह मुर्तजा को काबू में किया। 4 अप्रैल, 2022 को इस मामले में गोरखनाथ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। रिपोर्ट के अनुसार, गोरखनाथ मंदिर की सुरक्षा में तैनात पीएसी के जवानों पर हमले के दौरान मुर्तजा ने बांका लहराते हुए व नारा–ए–तकबीर, अल्लाह हू अकबर के नारे भी लगाए। इस आधार पर तत्कालीन एडीजी गोरखपुर जोन अखिल कुमार ने मामले को आतंकी साजिश माना। अगले दिन तत्कालीन अपर मुख्य सचिव अवनीश अवस्थी ने एडीजी की बात की पुष्टि भी कर दी। जांच आगे बढ़ी तो शुरू में मानसिक रूप से विक्षिप्त दिखने का मुर्तजा का नाटक भी पकड़ा गया। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूरे मामले की गहनता से जांच के आदेश दिए। एटीएस, एसटीएफ और अन्य खुफिया एजेंसियों ने मुर्तजा का नेटवर्क खंगालना शुरू किया तो उसकी यात्रा की फेहरिस्त काफी लंबी निकली। मुर्तजा कई बार कोयंबटूर, जामनगर, मुंबई, दिल्ली और नेपाल के लुंबिनी गया था। जांच आगे बढ़ी तो पता चला कि मुर्तजा न सिर्फ प्रतिबंधित आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया (आईएसआईएस) के संपर्क में था बल्कि उसे आर्थिक मदद भी दे रहा था।

# डीएम से मिला कर्मचारियों का प्रतिनिधि मण्डल

बस्ती, (संवाददाता)। विकास भवन कर्मचारी संघ अध्यक्ष राम अधार पाल के नेतृत्व में संघ पदाधिकारियों ने मंगलवार को जिलाधिकारी रवीश गुप्ता से मिलकर कर्मचारी समस्याओं के बारे में अवगत कराया और निस्तारण की मांग किया। राम अधार पाल ने बताया कि डीएम ने बिन्दुवार समस्याओं को समझा और तत्काल सम्बंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राथमिकता से इसका निस्तारण कराया जाय। प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से संघ अध्यक्ष राम अधार पाल ने बताया कि प्रतिनिधि मण्डल ने जिलाधिकारी से मांग किया कि लोक निर्माण विभाग द्वारा वर्षों पुराने सरकारी आवासों की नये सिरे से मरम्मत, रंगाई पुताई, पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाय

# वीडियो वायरल होने के चलते आरोपी दारोगा यातायात लाइन हाजिर

अयोध्या।गुरुवार को कोतवाली अयोध्या क्षेत्र के लता मंगेशकर चौराहे पर वाहन चेकिंग के दौरान वाहन चालन न करने के नाम पर वाहन स्वामी से पैसे लेते समय का वीडियो वायरल हो रहा है।इस वीडियो में यातायात दरोगा द्वारा वाहन चालक से मुट्ठी में पैसे लिए दिखाई दे रहा है। जब वीडियो बना रहे शख्स ने मुट्ठी खोलने को कहा तो वह नहीं खोला।फिलहाल इस वीडियो वायरल के सोशल मीडिया पर चलते ही पुलिस महकमा में हड़कंप मच गया। इस संबंध में एसपी यातायात एपी सिंह तथा सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी ने संयुक्त रूप से बताया कि वायरल हो रही वीडियो दो–तीन दिन पुरानी है इस वीडियो को संज्ञान में लेते हुए आरोपी यातायात दरोगा को लाइन हाजिर कर दिया गया है तथा जांच की जा रही है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।